GOVERNMENT OF THE NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI

राजस्थान विभाग
अधिमुखवांतर
दिल्ली, 5 जनवरी, 2012

राजस्थान क्षेत्र दिल्ली में माध्यमिक शिक्षा परीक्षा भू-राज्य अधिनियम, 1887 की उप-धारा 27/1/वी (1887 अधिनियम सं. 17), द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान राजस्थान क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल श्री जयपाल यादव, ग्रेड-1 (राजस्थान) का जब तक वे राजस्थान विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अधिम आदेशों तक जो भी पार्श्व हो, कठिन क्षेत्र में सहायक कलेक्टर द्वितीय क्षेत्र को रक्षकार प्रदान करते हैं।

रैवन्द्र राजस्थानी दिल्ली में माध्यमिक शिक्षा परीक्षा भू-राज्य अधिनियम, 1901 की धारा 15 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थान राजस्थान क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल श्री जयपाल यादव ग्रेड-1 (राजस्थान) का जब तक वे राजस्थान विभाग में तहसीलदार के पद पर कार्यरत हैं अथवा अधिम आदेशों तक जो भी पार्श्व हो, कठिन क्षेत्र में सहायक कलेक्टर द्वितीय क्षेत्र को रक्षकार प्रदान करते हैं।
2. दिल्ली भूमि सूचार अभियंता, 1954 की धारा 3 (6) में प्रदत्त संकेतों का प्रयोग करते हुए, राज्यविभाग दील्ली के उपराष्ट्रीय श्री बंस राज राम (दनिस) को जब तक ये राजनीतिक विभाग में अतिरिक्त भिड़ दलदाधिकारी के पद पर रहे हैं अथवा आनामी आदेश तक जो भी पहले हो, उनका अभियंता के अंतर्गत कलेक्टर की समस्त शक्तियों प्रदान करते हैं।

3. राज्यविभाग के अंतर्गत व्यापारशास्त्र पर निर्भर अभियंता (दनिस) की धारा 19 (1) (e) एवं (1) (f) दर्शन संकेतों का प्रयोग करते हुए, राज्यविभाग दील्ली के उपराष्ट्रीय श्री बंस राज राम (दनिस) को जब तक ये राजनीतिक विभाग में अतिरिक्त भिड़ दलदाधिकारी के पद पर रहे हैं अथवा आनामी आदेश तक जो भी पहले हो, उनका अभियंता के अंतर्गत कलेक्टर की समस्त शक्तियों प्रदान करते हैं।

4. राज्यविभाग के अंतर्गत व्यापारशास्त्र पर निर्भर अभियंता, 1887 की धारा 27 (1) (e) द्वारा व्यक्ति की व्यक्ति का प्रयोग करते हुए, राज्यविभाग दील्ली के उपराष्ट्रीय श्री बंस राज राम (दनिस) को जब तक ये राजनीतिक विभाग में अतिरिक्त भिड़ दलदाधिकारी के पद पर रहे हैं अथवा आनामी आदेश तक जो भी पहले हो, उनका अभियंता के अंतर्गत कलेक्टर की समस्त शक्तियों प्रदान करते हैं।

5. राज्यविभाग के अंतर्गत व्यापारशास्त्र पर निर्भर अभियंता, 1901 की धारा 14 (4) द्वारा व्यक्ति की व्यक्ति का प्रयोग करते हुए, राज्यविभाग दील्ली के उपराष्ट्रीय श्री बंस राज राम (दनिस) को जब तक ये राजनीतिक विभाग में अतिरिक्त भिड़ दलदाधिकारी के पद पर रहे हैं अथवा आनामी आदेश तक जो भी पहले हो, उनका अभियंता के अंतर्गत कलेक्टर की समस्त शक्तियों प्रदान करते हैं।

6. राज्यविभाग के अंतर्गत व्यापारशास्त्र पर निर्भर अभियंता, 1948 की धारा 41 (1) द्वारा आदेश की व्यक्ति का प्रयोग करते हुए, राज्यविभाग दील्ली के उपराष्ट्रीय श्री बंस राज राम (दनिस) को जब तक ये राजनीतिक विभाग में अतिरिक्त भिड़ दलदाधिकारी के पद पर रहे हैं अथवा आनामी आदेश तक जो भी पहले हो, कलेक्टर अभियंता की धारा 21 (4) के अंतर्गत व्यक्ति की व्यक्ति को प्रदान करते हैं।

राज्यविभाग के अंतर्गत व्यापारशास्त्र पर निर्भर अभियंता (दनिस) की धारा 21 (3) में अंशित नहीं रहते आदेशों के फलस्वरूप सामान्य आपूर्ति सुनित के लिए अतिरिक्त अद्भुत भिड़ दलदाधिकारी का प्रयोग करते हैं।

F. No. 11(11)/Rev. Estts./Sr/99/Pt-file-II/25.—In pursuance of Services Department’s Order No. 477 dated 27-10-2011 and relieving from District East vide Order No. 2323-2330, dated 2-11-2011, Sh. Bans Raj Ram (DANICS) has joined as Additional District Magistrate (Central) on 3-11-2011. Now, therefore,
1. In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Delhi Land Revenue Act, 1954, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to appoint Sh. Bans Raj Ram, DANICS as Additional Collector in the National Capital Territory of Delhi and delegates him the powers of Collector under Section 6 of the said Act so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

2. In exercise of the powers conferred by Section 3(6) of the Delhi Land Reforms Act, 1956, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to empower Sh. Bans Raj Ram, DANICS, to discharge the functions of Deputy Commissioner under the said Act in the National Capital Territory of Delhi so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

3. In exercise of the powers conferred by Section 105(1)(a) of the Punjab Tenancy Act, 1887 as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon Sh. Bans Raj Ram, DANICS all the powers of the Collector under the said Act in the National Capital Territory of Delhi so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

4. In exercise of the powers conferred by Section 27(1)(a) of the Punjab Land Revenue Act, 1887, as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon Sh. Bans Raj Ram, DANICS all the powers of the Collector under the said Act in the National Capital Territory of Delhi so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

5. In exercise of the powers conferred by Section 14(A) of the Uttar Pradesh Land Revenue Act, 1901, as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi is pleased to confer upon Sh. Bans Raj Ram, DANICS all the powers of the Collector under the said Act in the National Capital Territory of Delhi so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

6. In exercise of the powers conferred by Section 41(1) of the East Punjab Holdings (Consolidation and Prevention of Fragmentation) Act 1948, as enforced in the National Capital Territory of Delhi, the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi hereby appoints Sh. Bans Raj Ram, DANICS as appellate authority and delegates him the powers of hearing appeals under Section 21(4) of the said Act against the order of Settlement Officer, (Consolidation) passed under Section 2(3) of the said Act so long as he holds the post of ADM in the Revenue Department or till further orders whichever is earlier.

By Order and in the Name of the Lt. Governor of National Capital Territory of Delhi,
KULDEEP SINGH GANGAR, Addl. Secy.
(5) अभयार्थी एवं अनाधिकारिक स्टूफ़ सदस्यों को या तो परिसर के भीतर या परिसर के बाहर पट्टे पर उपस्थित आवास उपलब्ध कराना जा सकता है। यदि ऐसा कोई अबार उपलब्ध नहीं कराया जाता है या सदस्य अपने प्रारंभ करना चाहता है तो वो सदस्य द्वारा नियुक्ति दानकों के अनुसार आवास किराया भरे का पुमात्र किया जाएगा।

5. अधिवेशन संरक्षण, — (1) अधिवेशन/सहायक संरक्षण सदस्य किसी निवृत्त अधिवेशन के लिए नियुक्ति किए जा सकते हैं और यह नियुक्ति अधिवेशन और अनाधिकारिक स्टाफ़ का भाग नहीं बनेगा।

(2) कोई अधिवेशन/सहायक संरक्षण सदस्य पदपुस्तक पढ़ा सकता है या पदपुस्तक में बूढ़ा लेना सकता है, परिसरकारी भाषा में भाषा लेना सकता है। वह अधिवेशन/सहायक संरक्षण का मार्गदर्शन कर सकता है और समाज़ा: अधिकार अधिकार कर सकता है, जो कोई निवृत्त अधिवेशन संरक्षण कर सकता है।

(3) उस अधिवेशन/सहायक संरक्षण का चरण किसी स्थाई संरक्षण के लिए नियुक्ति किया जाएगा, जो निवृत्त द्वारा गठित की जायेगी। परिषदें । जो व्यापकता आधिकारिक रूप से निर्दिष्ट सदस्य संरक्षण की नियुक्तियों पर लागू नहीं होंगी।

(4) स्थाई संरक्षण के क्रम में कम तीन संरक्षण होंगे जिसमें निदेशक, कम से कम एक संरक्षणकर्ता (या उपस्थित) है, और संरक्षण का क्रम में कम एक संरक्षण सदस्य होगा। इस तरह संरक्षण में पाइत्तिय बौद्धिक संरक्षण में हो तब तक अन्य संरक्षणों से संरक्षण सदस्य या सीटें के संरक्षण इस संरक्षण में नियुक्तियों की जा सकती है।

(5) स्थाई संरक्षण अन्य नियम के लिए अपने सहा को या तथा अन्य समस्याओं जानकारी पर आधारित प्रार्थनाओं पर विचार करेंगे।

(6) स्थाई संरक्षण द्वारा इस अनुमोदन से उपरत रूपांतर की नियुक्ति भरे जाएगा।

(7) ऐसे सभी प्रताप एवं नियुक्तियों जो सूचित लिखे जा सकते हैं।

(8) ये निवृत्तकार नियम अधिवेशन के लिए होंगे, ये तीन संरक्षणों से अधिक नहीं होंगे और अधिवेशन से अधिक एक बार निर्देशित कर सकते है।

(9) नियुक्ति/सहायक सदस्यों को उनके नियुक्ति पत्र में उल्लिखित लाइज़ के लिए जानकारी सिस्टमों का वह बनाए रखें या अन्य तत्वों के समारोह में संरक्षण से किसी रूप से दावा करने के अधिकार नहीं होंगे।

6. अधिवेशन संरक्षण का नियुक्ति, — (1) कोई अधिवेशन संरक्षण समानान्त: किसी क्षेत्र में विशेषता रखने वाला कोई व्यक्ति है, जो
कहीं और कार्रवाई है और जिसको विस्तृत पादरोक पढ़ने जैसे विस्तृत
शिक्षा प्रदान के लिए सशक्त द्वारा कोई सीमा नहीं गई है और
विस्तृत लिए सशक्त मानदेय उत्पादन करता है।

(2) विशेष संमेलन की आयोजनताओं पर आधारित संगठन
और संस्थान उत्पादन के प्रमुख कार्य के उपरांत अतिरिक्त सशक्त
निर्माण करता है। विशेष संस्थान के प्रमुख कार्य
बोर्ड के अनुमोदित संगठन के अनुसार संस्थान द्वारा निर्माण
कार्यों के अनुसार पुनात्मक किया जाएगा।

7.4 अध्यापन एवं मूल्यांकन।—(1) विद्यालय/उपविद्यालय
बृहत भारतीय पादरोकों के चौकुंभर सभी पादरोक्स के लिए शिक्षा का
प्रारंभ अंतर्गत होगा।

(2) शिक्षा प्रदान की उपरांत अभ्यास और उपविद्यालय
संस्थानों के कार्यों के अनुमोदन संगठन के अनुसार पुनात्मक
कार्यों के अनुसार पुनात्मक किया जाएगा।

7.5 कार्यालय की अन्वेषण।—(1) नीति दक्षता/प्रशिक्षण
में दो निर्दिष्ट संस्थान और एक प्रारंभिक
वास्तव को संस्थान के अनुसार कार्यालय में अनुसार होगी।

7.6 स्वातंत्र्य प्राप्त करने के लिए शिक्षा प्रणाली
संस्थान में अपनी अभ्यास और उपविद्यालय
संस्थानों के कार्यों के अनुमोदन संगठन के अनुसार पुनात्मक
कार्यों के अनुसार पुनात्मक किया जाएगा।
(4) जो विधायी स्तर के अधिकारी सभी अधिकारें पूरी करते हैं, उस विधायी को दीमंत समारोह में हिस्सा प्रदान करने के लिए सीटें प्रदान करने और गर्मियों को संस्थान की जाती है।

8.1 एम.टी./पी.एच.डी. कार्यक्रम के लिए अध्ययन समाप्त। (1) एम.टी./पी.एच.डी. कार्यक्रम की मौलिक संरचना एवं दर्शन शास्त्र एम.टी./पी.एच.डी. कार्यक्रम के लिए विभागों में परिवर्तित है और अध्ययन एम.टी./पी.एच.डी. कार्यक्रम के लिए लागू होते हैं और कोई दूसरे एच.डी. कार्यक्रम कभी नहीं प्राप्त किया जा सकता है तथापि किसी कार्यक्रम को अतिरिक्त अध्ययन होकर सकती है जो उस कार्यक्रम के लिए विभिन्न में सम्बन्धित हो।

(2) उपर्युक्त कार्यक्रमों से सम्बन्धित सभी अध्ययन विषयों के लिए सीटें पूर्ण निकाय है और इसमें केवल अवधि रहती है जो विभिन्न में उल्लिखित किये गए हैं, सीटें को समय-समय पर किसी विभागों को आरोपित करने/रिपोर्ट करने का अधिकार है।

8.2 अकादमिक कैरियरप्प। (1) जी.टी.कार्यक्रम के लिए अध्ययन में प्रवेश।

8.3 प्रवेश। (1) एम.टी./पी.एच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश की प्रारंभ द्वारा निर्धारित की जाएगी और प्रवेश के लिए योजना।

(2) संस्थान के किसी अनुमोदित कार्यक्रम के लिए प्रवेश की जाने वाली संख्या पूर्ण अक्षर गर्मियों द्वारा प्रचार-निर्धारित होती है और प्रतिवर्ष अतिरिक्त को जाता है। बोर्ड ने सीटें उसको लिये सीटें से निषेध गांव सक्ता है।

(3) आरोपण नीति बोर्ड अफ गर्मियों द्वारा निर्धारित की जाएगी और प्रतिवर्ष अतिरिक्त की जाएगी।

(4) संस्थान के किसी कार्यक्रम में अनुमोदित रूप से या अनुमोदित रूपों में आधिक लेखक द्वितीय विभाग निबंध लिखने तक अर्थातः अध्ययन पश्चिम की प्रतिवर्ष द्वारा यथा-निर्धारित अन्य ऐसे प्रतिवर्ष प्राप्त करेंगे।

(5) किसी विधायी के प्रवेश के लिए किसी नियम से रहस्य का लक्षात्मक यह स्पष्ट जाता है कि प्रवेश प्राप्त सभी विधायी ने लेने/देने प्रवेश के लिए विधियों की फिरौत नहीं की दिखाई है।

(6) प्रवेश प्राप्त विधायिकाओं के लिए शुल्क बोर्ड अफ गर्मियों द्वारा यथा-निर्धारित होगा।

8.4 विशेष समाप्त। (1) इंटरनेट/इंटरनेट/ 

8.5 अध्ययन एवं मूल्यांकन। (1) बोर्ड कार्यक्रमों के लिए अध्ययन में यथा-निर्धारित।
1. Short title and Commencement.—(1) These Ordinance may be called the IIIT (Indraprastha Institute of Information and Technology)-Delhi "First Ordinance".

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Delhi Gazette.

2. Definitions—Words and expressions used in this Ordinance shall have the meaning assigned to them in the Act and the Statutes unless the context otherwise requires. The terms “Teachers and Academic Staff” or "Institute Teachers" mean Professors, Associate Professors, Assistant Professors and Lecturers.

3. Appointment of Teachers and Academic Staff.—
(1) Application for Teachers and Academic Staff shall be invited from across the world, and these positions shall be suitably advertised.

(2) Selection Committees for selecting the Teachers and Academic Staff shall be constituted in accordance with the Statute 16. Different selection committees may be constituted for different areas.

(3) A Selection Committee thus constituted will remain valid till a new committee is formed. While in effect, a selection committee may meet any number of times.

(4) Members of a Selection Committee will be such as given in sub-clause (2) of clause 16 of the Statutes, and the Quorum of a Selection Committee shall be as given in sub-clause (2)(V) of clause 16 of the Statute.

(5) In case of non-availability of some member for a meeting, the Chairman of the Selection Committee may replace the member, for that meeting, by an expert from the panel approved by the Senate under sub-clause (2)(IV) of clause 16 of the Statute, or by any other expert with the permission of the Chairman, Board of Governors.

(6) The minimum eligibility criteria for the Teachers and Academic Staff shall be broadly the same as IITs. The Selection Committee may, however, waive the experience requirement for Assistant Professors for Candidates with PhD from Institute of repute, and may relax the minimum for other levels, based on the track record of the candidate.

(7) There shall be a screening process for the candidates who satisfy the minimum eligibility criteria for a post before the meeting of the Selection Committee. The candidates approved by the screening process will be presented before the Selection Committee.

(8) For all candidates presented to the Selection Committee, besides their CV, at least two letters of reference will be placed before the committee.

(9) A Selection Committee may interact with the screened candidates through face-to-face interaction, video conferencing tele-conferencing, or any other means as it finds suitable. The Selection Committee may consider a candidate, particularly for senior positions, in absentia also.

(10) The members of the Selection Committee may join the Selection Committee meeting through alternative means like tele-presence, video conferencing, audio conferencing etc.

(11) A Selection Committee, while recommending an appointment, may also suggest additional increments and percentage of extra personal may within the limits prescribed by the Parliament & the Statute.

12. A Selection Committee shall consider candidates for various positions as set out in the Act. The Selection Committee, while recommending appointment to such limited-term contract position, may specify the level at which the person may be placed and the corresponding terms and conditions including the duration of the contract.

13. The recommendations of a Selection Committee shall be placed before the Chairman, Board of Governors for consideration/acceptance before offer of appointment is given. After approval by the Chairman, the same will be placed before the Board in the next meeting.

4. Salary and Other Benefits.—(1) The salary scale for Teachers and Academic Staff shall be broadly the same as in IIT Delhi, including basic pay, grade pay, dearness allowance, etc. Additional personal pay up to some percentage of the salary may be provided as per norms fixed by the Board.

(2) The quantum of increments in this scale may be performance-linked, as specified by the Board.

(3) Other benefits to Teachers and Academic Staff including telephone reimbursement, health cover, transport allowance, moving/relocation allowance, support for professional activities including travel, etc. shall be as per norms fixed by the Board.

(4) Additional personal compensation may be provided through fellowships, chairs, etc. which are set up from resources raised by the Institute through savings, corpus, donations etc., as per guidelines decided by the Board of Governors.

(5) Teachers and Academic Staff members may be provided suitable housing either within the campus or by leasing suitable accommodation off campus. In case no such housing is provided, or the member wishes to make his own arrangements, HRA will be paid as per norms specified by the Board.

(6) An employee will get all the benefits he/she is entitled from the Institute, irrespective of what his/her spouse gets from any organization including Government, and IIIT-D. The only exception to this is the IIIT-D provided/leased accommodation to the spouse, for which the Board will build a policy later.

5. Appointment of Visiting/Adjunct Faculty.—(1) Visiting/Adjunct faculty members may be appointed for a specified period and it will not form part of the regular Teaching and Academic Staff.

(2) A Visiting/Adjunct faculty member may teach courses or give lectures in courses, participate in projects,
guide B.Tech/Masters thesis, PhD thesis, and generally perform most of the academic tasks that a regular faculty member can perform.

3. The selection of Visiting/Adjunct Faculty will be processed by a Standing Committee, which shall be constituted by the Director. The Selection Committees as prescribed in statute 16 will not be applicable for Visiting/Adjunct Faculty appointments.

3. The Standing Committee shall consist of at least three members comprising the Director, at least one Dean (if present), and at least one other faculty member of the Institute. Till such time there are not enough senior faculty members in the Institute, faculty members from other institutes or members of the Senate may be nominated to this committee.

5. The Standing Committee will consider the candidates based on their C.V. and other relevant information, to make its decision.

6. After this approval by the Standing Committee, letter of appointment may be sent to the Candidate.

7. All such offers and appointments shall be reported to the Board.

8. These appointments will be for a limited period, not exceeding three years, and can be renewed at most once.

9. Visiting/Adjunct faculty members shall not have any claim on the Institute with respect to staff privileges, continuing of service, or other benefits, other than those which are stated in their letter of appointment.

6. Guest Faculty Appointment.—(1) A Guest faculty is generally a person with expertise in some area who is employed elsewhere and who is given a contract by the Institute for a specific purpose like teaching a course, and for which the Institute provides and honorarium.

2. The Director shall appoint guest faculty based on the Institute’s needs and after discussing it with appropriate faculty members in the Institute. Payment to guest faculty will be as per norms fixed by the Institute, within the Board approved guidelines.

7.1 Ordinance for B. Tech Program.—General.—(1) The basic structure and philosophy of a B. Tech Program is defined in Regulations for B. Tech Program, and are applicable to current B. Tech Programs and any B. Tech programs that may be introduced in future. However, a program may have additional requirements, which will be specified in regulations for that program.

2. The Senate is the main body for all academic matters, and notwithstanding anything that has been stated in the regulations, the Senate has the right to modify/relax any of the regulations from time to time.

7.2 Academic Calendar.—(1) Each academic year shall have two regular semesters and one summer term. Most courses shall be taught in the regular semesters. The semester timeline shall be defined in the academic calendar of the Institute.

7.3 Admission.—(1) Admission to the B. Tech Program is through entrance test(s), which may be conducted by the Institute or some other, approved body. The eligibility criteria for appearing in the entrance test(s), weight assigned to the entrance test performance and other parameters, and the criteria for admission, shall be approved by the Board of Governors and announced in the admission prospectus each year.

2. The number of admissions that can be made to any approved program of the Institute shall be as decided by the Board of Governors, and announced in the prospectus each year. The Board shall seek inputs for the same from the Senate.

3. The reservation policy shall be decided by the Board of Governors, and shall be announced in the admission prospectus each year.

4. Every student admitted provisionally or otherwise to any program of the Institute, shall submit, by the prescribed date, copies of the qualifying degree/provisional certificate and other such documents as prescribed by the Senate.

5. The admission of a student may be cancelled by the Senate at any time during the program if it is found that the student had supplied some false information or suppressed relevant information while seeking admission.

6. For admission with advanced standing, policies/ regulations shall approved by the Board.

7. Fees for admitted students shall be as decided by Board of Governors.

7.4 Teaching and Evaluation.—(1) The medium of instruction will be English for all courses, except for courses on foreign/local languages.

2. Each course is conducted by the assigned Instructor with the assistance of tutors and/or teaching assistants. The Instructor responsible for conducting the lecturers, tutorials, and labs, holding the tests and examinations, evaluating the performance of the students, and awarding grades at the end of the semester/summer term.

3. A system of continuous evaluation is employed, in which, during a course, various instruments like tests, exams, assignments, projects etc. are given to assess the learning of students. All evaluations are the responsibility of the instructor of the course.

4. At the end of the semester, based on the overall performance in the course, a letter grade is awarded to each student by the instructor. Each letter grade carries certain points which are used in the computation of the semester/overall performance.

5. A letter grade once awarded shall not be changed unless the request is made by the Instructor of the course and is approved by the Senate.
7.5 Continuing in the Program.—(1) Students admitted to the B. Tech programs shall normally pursue the program initially allocated to them. However, the Senate may permit change of program for a limited number of students, for which it shall specify suitable regulations/guidelines.

(2) For continuing in the undergraduate program, a student has to show satisfactory academic performance which may be defined by the Senate from time to time. If the academic performance falls short, a student may be asked to repeat a year, placed under warning/probation, or his/her program may be terminated.

7.6 Graduation Requirements and Grant of Degrees.—(1) A student becomes eligible for the award of the B. Tech degree after fulfilling all the academic and non-academic requirements prescribed by the Senate and as specified in the Regulations.

(2) The normal duration of the B. Tech program shall be four years (eight semesters), in which the student is expected to successfully complete/earn a specified number of credits. A student completes/earns the credits of a course if he/she registers for the course and obtains a passing grade.

(3) A student enrolled in a B. Tech program may also graduate with Honors, provided the student also completes all the additional requirements for Honours, as specified in the regulations.

(4) A student who completes all graduation requirements is recommended by the Senate to the Board of Governors (BOG) for the award of degree in the convocation.

(5) Under exceptional circumstances, where gross violation of the graduation requirements or use of dishonest means is detected at a later stage, the Senate may recommend to the Board of Governors to withdraw an already awarded degree.

8.1 Ordinances for M. Tech/PhD Program General.—(1) The basic structure and philosophy of M. Tech/PhD programs is defined in Regulations for M. Tech/PhD Program, and are applicable to current M. Tech/PhD programs and any M. Tech/PhD program that may be introduced in future. However, a program may have additional requirements, which will be specified in regulations for that program.

(2) The Senate is the main body for all academic matters relating to M. Tech/PhD programs, and notwithstanding anything that has been stated in the regulations, the Senate has the right to modify/relax any of the regulations from time to time.

8.2 Academic Calendar.—(1) As specified in the Ordinances for B. Tech Program.

8.3 Admission.—(1) Method of admission to the M.Tech/PhD programs shall be decided by the Senate and announced for every year.

(2) The number of admissions that can be made to any approved program of the Institute shall be as decided by the Board of Governors, and announced each year. The Board shall seek inputs for the same from the Senate.

(3) The Senate shall be informed by the Board of Governors, that shall be announced in a year

(4) The number of students who have been declared by the Senate for any program, shall not be reduced by the Senate, otherwise to any program of the Institute, shall submit, by the prescribed date, copies of the qualifying degree/previous certificate and other such documents as prescribed by the Senate.

(5) The admission of a student may be cancelled by the Senate at a later date if it is found that the student had supplied some false information or suppressed relevant information while seeking admission.

(6) Fees for admitted students shall be decided by Board of Governors.

8.4 Financial Assistance.—(1) Certain number of assistantships/scholarships/fellowships may be provided for M.Tech students. This number may change from year to year.

8.5 Teaching and Evaluation.—(1) As defined in Ordinances for B. Tech Programs.

8.6 Continuing in the Program.—(1) For continuing in a program the student has to show satisfactory academic performance as defined by the Senate from time to time. If the academic performance falls short, a student may be placed under warning, his/her assistantship/scholarship/fellowship may be stopped/reduced, or his/her program may be terminated.

(2) A student may change from one program to another as provided by the regulations.

8.7 Leave.—(1) Different types of leaves and rules for availing them are as specified in the regulations.

8.8 Collaborative/Join Programs.—(1) Rules and guidelines for participating in joint/collaborative programs shall be as defined by the Senate.

8.9 Graduation Requirements and Grant of Degrees.—(1) A student becomes eligible for the award of the M. Tech/PhD degree after fulfilling all the academic and non-academic requirements prescribed by the Senate.

(2) A student who completes all graduation requirements is recommended by the Senate to the Board of Governors (BOG) for the award of degree in the convocation.

(3) Under exceptional circumstances, where gross violation of the graduation requirements or use of dishonest means is detected at a later stage, the Senate may recommend to the Board of Governors to withdraw an already awarded degree.

MANJIT RAJ ARORA, Addl. Secy. (TTE)